मध्यप्रदेश विधान सभा

की

कार्यवाही

(अधिकृत विवरण)

चतुर्दश विधान सभा सप्तम् सत्र

जुलाई, 2015 सत्र

सोमवार, दिनांक 20 जुलाई, 2015

(29 आषाढ़, शक संवत् 1937)

[खण्ड- 7] [अंक- 1]

मध्यप्रदेश विधान सभा

सोमवार, दिनांक 20 जुलाई, 2015

(29 आषाढ़, शक संवत् 1937)

विधान सभा पूर्वाह्न 10.36 बजे समवेत हुई.

{अध्यक्ष महोदय (डॉ.सीतासरन शर्मा) पीठासीन हुए.}

(10.36 बजे) **राष्ट्रगीत**

राष्ट्रगीत "वन्देमातरम्" का समूहगान

अध्यक्ष महोदय—अब, राष्ट्रगीत "वन्देमातरम्" होगा. सदस्यों से अनुरोध है कि वे कृपया अपने स्थान पर खड़े हो जाएं.

(सदन में राष्ट्रगीत "वन्देमातरम्" का समूहगान किया गया.)

(10.38 बजे) **शपथ**

उप चुनाव में, निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक 227-गरोठ से निर्वाचित सदस्य, श्री चन्दरसिंह सिसौदिया द्वारा शपथ ग्रहण

श्री चन्दरसिंह सिसौदिया(गरोठ) - (शपथ)

(10.39 बजे) **निधन का उल्लेख**

(1) श्री दिलीप सिंह भूरिया,संसद सदस्य,
(2) श्री राजेश यादव,सदस्य,विधान सभा,
(3) श्री तुकोजीराव पवार,सदस्य,विधान सभा,
(4) श्रीमती शीला कौल,भूतपूर्व केन्द्रीय मंत्री,
(5) श्री जानकीवल्लभ पटनायक,भूतपूर्व केन्द्रीय मंत्री,
(6) श्री गुफरान आजम,भूतपूर्व संसद सदस्य,
(7) श्री हरनामसिंह राठौर,भूतपूर्व सदस्य विधान सभा,
(8) श्री ललित जैन,भूतपूर्व सदस्य विधान सभा,

(9) श्री अकबर अली आरिफ,भूतपूर्व सदस्य विधान सभा

(10) पंडित श्याम कार्तिक दुबे, भूतपूर्व सदस्य विधान सभा

(11) श्री चार्ल्स कोरिया, सुप्रसिद्ध वास्तुविद.

(12) श्री मदन मोहन जोशी, सुप्रसिद्ध पत्रकार

(13) श्री महेश नीलकंठ बुच, मध्यप्रदेश के भूतपूर्व मुख्य सचिव,

(14) नेपाल एवं भारत में भूकंप में मृत व्यक्ति, तथा

(15) पन्ना जिले के पाण्डव फाल के पास बस हादसे में मृत व्यक्ति.

अध्यक्ष महोदय मुझे सदन को सूचित करते हुए अत्यन्त दुख हो रहा है कि संसद सदस्य, श्री दिलीप सिंह भूरिया का 24 जून, मध्यप्रदेश विधान सभा के सदस्य, श्री राजेश यादव का 27 मार्च एवं श्री तुकोजी राव पवार का 19 जून, तथा भूतपूर्व केन्द्रीय मंत्रीगण, श्रीमती शीला कौल का 13 जून, श्री जानकी वल्लभ पटनायक का 21 अप्रैल, भूतपूर्व संसद सदस्य, श्री गुफरान आजम का 03 अप्रैल तथा भूतपर्वू विधान सभा सदस्यगण, श्री हरनाम सिंह राठौर का 05 जून, श्री ललित जैन का 23 मार्च, श्री अकबर अली आरिफ का 14 अप्रैल, पंडित श्याम कार्तिक दुबे का 15 जून, सुप्रसिद्ध वास्तुविद, श्री चार्ल्स कोरिया का 16 जून, तथा श्री मदन मोहन जोशी वरिष्ठ पत्रकार, का 25 जून, श्री महेश नीलकंठ बुच पूर्व मुख्य सचिव, का 06 जून 2015 को निधन हो गया है.

श्री दिलीप सिंह भूरिया का जन्म 19 जून, 1944 को माछलिया जिला झाबुआ (म.प्र.) में हुआ था. श्री भूरिया अनेक प्रादेशिक, राष्ट्रीय और सहकारी संस्थाओं में पदाधिकारी रहे. आप भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय और प्रादेशिक उपाध्यक्ष रहे. श्री भूरिया 1972-77 में प्रदेश की पांचवीं विधान सभा के सदस्य रहे. आप सातवीं, आठवीं, नौंवी, दसवीं, ग्यारहवीं तथा वर्तमान में सोलहवीं लोकसभा के सदस्य रहे. आपने अनेक संसदीय समितियों के सभापति एवं सदस्य के रूप में कार्य किया.

आपके निधन से देश ने एक कर्मठ समाजसेवी एवं लोकप्रिय नेता खो दिया है.

श्री राजेश यादव का जन्म 31अगस्त, 1960 ग्राम भैंसोदा मण्डी जिला मन्दसौर में हुआ था. श्री यादव सन् 2000-2003 में जिला पंचायत मन्दसौर के उपाध्यक्ष रहे. आप सन् 2003 में बारहवीं विधान सभा के सदस्य रहे एवं सन् 2013 में वर्तमान चौदहवीं विधान सभा के सदस्य निर्वाचित हुए थे.

आपके निधन से प्रदेश ने एक लोकप्रिय नेता एवं कर्मठ समाजसेवी खो दिया है.

श्री तुकोजी राव पवार का जन्म 17 नवम्बर, 1963 को इन्दौर में हुआ था. श्री पवार ने 1985 में राजनीति में प्रवेश किया. आप भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं भा.ज.पा. की राष्ट्रीय परिषद के सदस्य रहे. श्री पवार प्रदेश की नौंवी, दसवीं, ग्यारहवीं, बारहवीं, तेरहवी तथा वर्तमान में चौदहवीं विधान सभा के सदस्य थे. बारहवीं एवं तेरहवीं विधान सभा अवधि में आप विभिन्न विभागों के राज्यमंत्री और मंत्री रहे. आप अनेक सभा समितियों के सभापति और सदस्य रहे.

आपके निधन से प्रदेश ने एक कुशल प्रशासक एवं लोकप्रिय नेता खो दिया है.

श्रीमती शीला कौल का जन्म 07 फरवरी, 1915 को लखनऊ (उ.प्र.) में हुआ था. श्रीमती कौल वर्ष 1968-71 में उत्तर प्रदेश विधान परिषद की सदस्य रही. आप पांचवी, सातवीं, आठवीं, नौंवी तथा दसवीं लोकसभा की सदस्य निर्वाचित हुई. आपने अक्टूबर, 1980 से दिसम्बर, 1984 तक केन्द्र सरकार में राज्यमंत्री शिक्षा, संस्कृति तथा समाज कल्याण और 1991 में आवास एवं शहरी विकास मंत्री के रूप में कार्य किया. श्रीमती कौल ने 1995-96 में हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल के पद सुशोभित किया था. आप अनेक राजनैतिक, सामाजिक, सांस्कृति एवं खेल-कूद संस्थाओं में विभिन्न पदों पर रही.

आपके निधन से देश ने एक वरिष्ठ राजनेता, कुशल प्रशासक एवं कर्मठ समाजसेवी खो दिया है.

श्री जानकी वल्लभ पटनायक का जन्म 03 जनवरी, 1927 को ग्राम रामेश्वर, जिला पुरी में हुआ था. आप 1950 में उड़ीसा राज्य युवा कांग्रेस के अध्यक्ष तथा 1953-60 तक उड़ीसा राज्य कांग्रेस समिति के सदस्य रहे. श्री पटनायक 1980-1989 की अवधि में 02 बार तथा 1995-1999 में उड़ीसा के मुख्यमंत्री रहे. आप पांचवी (1971-77) तथा सातवीं (1980-85) लोकसभा के सदस्य और केन्द्र सरकार में राज्यमंत्री तथा पर्यटन, नागरिक उड्डयन एवं श्रम मंत्री रहे. श्री पटनायक ने 2009-2014 में असम के राज्यपाल के पद को सुशोभित किया.

आपके निधन से देश ने एक वरिष्ठ नेता, कुशल प्रशासक एवं कर्मठ समाजसेवी खो दिया है.

श्री गुफरान आजम का जन्म 01 जुलाई, 1943 को भोपाल में हुआ था. श्री आजम 1959 में कांग्रेस से जुड़े एवं मध्यप्रदेश युवा कांग्रेस तथा प्रदेश कांग्रेस कमेटी में विभिन्न पदों पर रहे. आपने 2008 से 2013 तक मध्यप्रदेश वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया. आप विभिन्न शैक्षणिक, सांस्कृतिक, खेल एवं सामाजिक संस्थाओं में पदाधिकारी रहे. श्री आजम ने 1980-1985 (सांतवी लोकसभा) में कांग्रेस की ओर से बैतूल का प्रतिनिधित्व किया था. आप जून 1989 एवं अप्रैल, 1994 में दो बार राज्यसभा सदस्य रहे.

आपके निधन से प्रदेश ने एक वरिष्ठ नेता, हॉकी खिलाड़ी एवं कर्मठ समाजसेवी खो दिया है.

श्री हरनाम सिंह राठौर का जन्म 01 सितम्बर, 1948 को सागर में हुआ था. श्री राठौर जिला भाजपा के कोषाध्यक्ष तदन्तर अध्यक्ष रहे. आपने विभिन्न राजनैतिक, सामाजिक एवं धार्मिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाई. आपने आठवीं, नौंवी, ग्यारहवीं तथा बारहवीं विधान सभा में भारतीय जनता पार्टी की ओर से बण्डा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया था. बारहवीं विधान सभा अवधि में आप विभिन्न विभागों के मंत्री भी रहे.

आपके निधन से प्रदेश ने एक लोकप्रिय कुशल प्रशासक एवं कर्मठ समाजसेवी खो दिया है.

श्री ललित जैन का जन्म 09 दिसम्बर, 1951 को इन्दौर में हुआ था. आप 1977-1979 में इन्दौर युवक कांग्रेस के अध्यक्ष, 1981 में मध्यप्रदेश युवक कांग्रेस के महासचिव एवं 1982 में इन्दौर नगर निगम के पार्षद रहे. आपने प्रदेश की आठवीं (1985-1990) एवं नौंवी (1990-1992) विधान सभा में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की ओर से इन्दौर-1 का प्रतिनिधित्व किया था. आठवीं विधान सभा अवधि में आप उपमंत्री स्कूल शिक्षा रहे.

आपके निधन से प्रदेश ने एक लोकप्रिय नेता एवं कर्मठ समाजसेवी खो दिया है.

श्री अकबर अली आरिफ का जन्म 23 अगस्त, 1925 को हुआ था. श्री आरिफ 1953 में रतलाम नगर पालिका के पार्षद निर्वाचित हुए और सभापति के रूप में आठ वर्ष तक कार्य किया. श्री आरिफ ने प्रदेश की पांचवी विधान सभा (1972-1977) में कांग्रेस की ओर से रतलाम का प्रतिनिधित्व किया था.

आपके निधन से प्रदेश के सार्वजनिक जीवन की अपूरणीय क्षति हुई है.

पंडित श्याम कार्तिक दुबे का जन्म 02 जनवरी, 1922 को हुआ था. आप सन् 1950 में एडवायजरी कौंसिल के सदस्य निर्वाचित हुए तथा समाजवादी पार्टी के सदस्य बने. आप सन् 1952 में विंध्य प्रदेश विधान सभा के सदस्य निर्वाचित हुए और राज्य पुनर्गठन के फलस्वरूप प्रदेश की प्रथम तदनंतर द्वितीय, तृतीय एवं पंचम विधान सभा के सदस्य रहे.

आपके निधन से प्रदेश के सार्वजनिक जीवन की अपूरणीय क्षति हुई है.

श्री चार्ल्स कोरिया का जन्म 01 सितम्बर, 1930 को सिकन्दराबाद में हुआ था. श्री कोरिया शहरीकरण पर गठित राष्ट्रीय आयोग के पहले अध्यक्ष रहे. आपने 1984 में पर्यावरण संरक्षण और शहरी समुदायों में सुधार के लिए मुम्बई में शहरी डिजाईन अनुसंधान संस्थान की स्थापना की. श्री कोरिया ने देश, विदेश और प्रदेश में उत्कृष्ठ संरचनाएं डिजाईन की जिनमें भोपाल स्थित भारत भवन एवं मध्यप्रदेश विधान सभा भवन शामिल है. वास्तुकला के क्षेत्र में आपको आगा खान पुरस्कार, रॉयल गोल्ड मेडल समेत कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया था. वर्ष 1972 में भारत सरकार ने आपको पद्म श्री तथा वर्ष 2006 में पद्म विभूषण से अलंकृत किया था.

आपके निधन से देश ने एक शीर्षस्थ वास्तुविद और शहरी योजनाकार खो दिया है.

श्री मदन मोहन जोशी का जन्म 16 दिसम्बर, 1936 को हुआ था. पत्रकारिता में आने के पूर्व श्री जोशी ने एक महाविद्यालय में व्याख्याता के रूप में कार्य किया. आप एक न्यूज फीचर एजेंसी के मध्यप्रदेश ब्यूरो प्रमुख तथा लम्बे समय तक नई दुनिया समाचार पत्र के संपादक रहे. आपने भोपाल में जवाहरलाल नेहरू कैंसर हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेन्टर की स्थापना की तथा उसके अध्यक्ष भी रहे.

आपके निधन से प्रदेश ने एक वरिष्ठ पत्रकार एवं कर्मठ समाजसेवी खो दिया है.

श्री महेश नीलकंठ बुच का जन्म 05 अक्टूबर, 1934 को हुआ था. श्री बुच ने 1957 में शासकीय सेवा में आने के बाद 1964 में सिविल सर्विस परीक्षा उत्तीर्ण की. आप नगर निगम भोपाल में लम्बे समय तक प्रशासक रहे. नगर व ग्राम निवेश संचालक रहते हुए आपने भोपाल का पहला मास्टर प्लान तैयार किया था. आपने 1984 में भारतीय प्रशासनिक सेवा से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेकर सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाई. श्री बुच दिल्ली डेव्लपमेंट अथॉरिटी के उपाध्यक्ष, मध्यप्रदेश के मुख्य सचिव, बैतूल व उज्जैन में कलेक्टर के अलावा कई विभागों के महत्वपूर्ण पदों पर रहे. आप मध्यप्रदेश के नये विधान सभा भवन की निर्माण संबंधी समिति में भी शामिल थे. वर्ष 2011 में भारत सरकार ने आपको पदम भूषण से अलंकृत किया था.

आपके निधन से प्रदेश ने एक कुशाल प्रशासक, पर्यावरण विद् एवं कर्मठ समाजसेवी खो दिया है.

<u>नेपाल एवं भारत में आए भूंकप में मृत व्यक्तियों को श्रद्धांजलि</u> दिनांक 25 अप्रैल, 2015 को नेपाल में आए भूंकप से हजारों व्यक्तियों की मृत्यु हो गई एवं अनेक व्यक्ति घायल हो गए. इस भूंकप से संपत्ति की व्यापक हानि हुई. भूंकप के असर से हमारे देश के कई राज्यों मे भी जन-हानि हुई. इसी तरह पुन: दिनांक 12 मई, 2015 को भूंकप आने से कुछ लोग हताहत हुए और संपत्ति को नुकसान पहुंचा.

यह सदन इस प्राकृतिक विपदा में मारे गए वयक्तियों को श्रद्धांजलि अर्पित करता है.

<u>पन्ना जिले के पांडव फॉल के पास बस हादसे के मृतकों को श्रद्धांजलि</u> दिनांक 04 मई, 2015 को पन्ना जिले के पांडव फॉल के पास एक यात्री बस के पुल से नीचे गिरकर उसमें आग लग जाने से अनेक व्यक्त्यिों की ह्रदयविदारक मृत्यु हो गई.

यह सदन इस हादसे में मृत व्यक्तियों को श्रद्धांजलि अर्पित करता है.

मुख्यमंत्री (श्री शिवराज सिंह चौहान)—माननीय अध्यक्ष महोदय, सदन के इस मानसून सत्र में आज हमने भारी मन से विधान सभा में प्रवेश किया है क्योंकि हमारे इसी सदन के साथी जो पिछले सत्र में हमारे बीच थे आज हमारे बीच नहीं हैं. स्वर्गीय राजेश यादव जी, युवराज तुकोजीराव पवार साहब अब इस सदन के सदस्य के नाते हमारे बीच कभी नहीं आयेंगे. मध्यप्रदेश ही नहीं देश के कद्दावर नेता दिलीप सिहं भूरिया जी ने सचमुच में बचपन से ही दलित, शोषित समाज के अधिकारों की लड़ाई लड़ने का काम किया था. समाज का वह वर्ग जो सबसे पीछे सबसे नीचे है जो विकास की दौड़ में पिछड़ गया था, अभाव में अपनी जिंदगी जी रहा था, अभाव में अपनी जिन्दगी जी रहे थे, उनके लिए संघर्ष करने का बीड़ा स्वर्गीय दिलीप सिंह भूरिया जी ने उठाया था. अनुसूचित जनजातियों के तो वे मसीहा थे. हमारे मित्र जानते हैं कई वर्षों तक काँग्रेस के सदस्य के नाते उन्होंने अनेक पदों पर रहकर सहकारिता के आँदोलन में किशोर अवस्था में वे सबसे पहले सक्रिय हुए थे और विभिन्न पदों पर रहते हुए सहकारिता के माध्यम से सार्वजनिक जीवन में उन्होंने प्रवेश किया था और उसके बाद लगातार, एक बार नहीं, 6 बार वे लोकसभा के सदस्य रहे. एक बार विधान सभा के सदस्य रहे. अनेकों समितियों के सदस्य रहे. जब माननीय अटल जी प्रधानमंत्री थे तब अनुसूचित जनजाति आयोग के राष्ट्रीय अध्यक्ष वे रहे और अनुसूचित जनजाति आयोग के राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाते पूरे प्रदेश का दौरा करके अनुसूचित जनजाति के भाई और बहनों के अधिकारों की रक्षा कैसे की जाए इसके लिए अहिर्निश प्रयत्न उन्होंने किया. अध्यक्ष महोदय, जब हमने मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन यात्रा प्रारंभ की थी तो मुझे उन्होंने याद दिलाया कि अनुसूचित जनजाति के लोग रामदेवरा जाते हैं इसलिए मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना में रामदेवरा को सम्मिलित किया जाए. रामदेवरा मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन यात्रा में सम्मिलित किया गया. वे अनुसूचित जनजाति के लोगों के विकास के लिए वैसे तो पूरे प्रदेश के लिए, देश के लिए, चिंतित रहते थे, लगातार प्रयास करते थे, उनके मन में जो होता था वही जुबान पर होता था, छुपाते नहीं थे. अन्याय अगर कहीं होता था तो उसके प्रति मुखर होते थे. आज ऐसे कद्दावर नेता को हमने खोया है. माननीय अध्यक्ष महोदय, उनके निधन से, केवल मध्यप्रदेश ने ही नहीं, पूरे देश ने, समाज के कमजोर तबके के लिए,

विशेषकर अनुसूचित जनजातियों की सेवा के लिए समर्पित एक लोकप्रिय जन नेता को और कुशल प्रशासक को खोया है. वे शराब के खिलाफ लगातार बोलते रहे हमारे मित्र जानते हैं. उनकी कोशिश थी कि शराब से कैसे पीछा छूटे, विशेषकर समाज के कमजोर वर्गों का. उनके निधन से जो स्थान रिक्त हुआ है वह आसानी से पूरा नहीं किया जा सकता.

माननीय अध्यक्ष महोदय, हमारे साथी राजेश यादव जी मंदसौर जिले के कद्दावर नेता थे. पंचायती राज के माध्यम से उन्होंने अपने सार्वजनिक जीवन को प्रारंभ किया. जिला पंचायत के उपाध्यक्ष रहे. वे बहुत मिलनसार थे और मैंने हमेशा उनको मुस्कराते हुए और विनोद करते हुए देखा. कई बार वे अपने वजन पर ही व्यंग्य करते थे. मुझे कहते थे कि एकाध ऐसी गाड़ी होना चाहिए जिसमें मैं आसानी से बैठ जाऊँ. अचानक अस्वस्थ हुए, अस्पताल में भर्ती हुए, दिल्ली में थे. मेदांता अस्पताल में मैं चार बार उनको देखने गया. उस समय आत्मविश्वास से भरे लगते थे और कहते थे कि मैं जल्दी आऊँगा. लेकिन बिस्तर पर पड़े पड़े उन्होंने मुझे कहा था कि ओलावृष्टि हुई है, मैं विधायक के नाते अपने क्षेत्र में नहीं जा पा रहा, आप मेरे क्षेत्र की चिन्ता करना और यह बात मैंने मंदसौर जिले में जाकर कही थी. मौत को मात नहीं दे पाए. आज वे हमारे बीच नहीं हैं उनके निधन से हमने एक युवा लोकप्रिय जन नेता और समाजसेवी को खोया है.

अध्यक्ष महोदय, युवराज तुकोजीराव पवार, मैं युवराज इसलिए कहता हूँ कि हम बचपन के साथी थे और बचपन से उनको युवराज, युवराज, हम लोग कहते थे. युवा मोर्चे में साथ काम प्रारंभ किया. प्रदेश युवा मोर्चे के उपाध्यक्ष रहे, फिर अध्यक्ष रहे. कई वर्षों तक मैंने उनके साथ काम किया. बहुत कम उम्र में वे उज्जैन संभाग के बड़े लोकप्रिय नेता थे. उन्होंने कई बार प्रदेश का व्यापक दौरा किया था. अध्यक्ष महोदय, भारतीय जनता पार्टी में अनेकों पदों पर कि हमेशा भारी बहुमत से वह जीतते थे. पिछले दिनों उनका स्वास्थ्य खराब था, उनका लीवर ट्रांसप्लांट हुआ था वह स्वास्थ्य लाभ करके आए थे और ऐसा लगता था कि लंबे समय तक वह हमारे बीच में रहकर प्रदेश की जनता की सेवा करेंगे, देवास की जनता की सेवा करेंगे, वह पिछला चुनाव भी 50 हजार से ज्यादा वोटों से जीते थे. अस्वस्थता के कारण उनकी उतनी उपस्थिति उनके क्षेत्र में भले ही न रही हो लेकिन लोगों के दिलों में उन्होंने एक विशेष स्थान बनाया था , उनके निधन से प्रदेश ने एक नौजवान, सक्रिय युवा नेता को खोया है जिन्होंने मंत्री के नाते भी प्रशासनिक दक्षता का परिचय दिया था एक कुशल प्रशासक भी हमने खोया है. माननीय अध्यक्ष महोदय, श्रीमती शीला कौल जी इस देश की वरिष्ठ राजनेता थीं, बचपन से सक्रिय थी, उत्तरप्रदेश से आती थीं. पहले वह विधान परिषद की सदस्य रही उसके बाद लगातार अनेकों बार लोकसभा की सदस्य निर्वाचित हुईं. 1980 और 1984 में केंद्रीय मंत्री के नाते उन्होंने अपनी कुशलता का, विद्वता का, प्रशासनिक दक्षता का परिचय दिया था और बाद में उन्होंने राज्यपाल के नाते भी हिमाचल प्रदेश की जनता की सेवा की, तन्मयता के साथ सेवा की. अनेकों राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक पदों पर वह रही, वह समाजसेवी भी थीं केवल राजनेता नहीं थी, उनके निधन से हमने कुशल प्रशासनिक वरिष्ठ राजनेता और कर्मठ समाजसेवी खोया है.

श्री जानकी वल्लभ पटनायक जी, जिनको जे.बी. पटनायक के नाम से देश जानता था. बचपन से ही कांग्रेस में सक्रिय थे अनेकों पदों पर रहकर उन्होंने अपने संगठन के कौशल

का परिचय दिया था और दो बार वह उड़ीसा के मुख्यमंत्री रहे उनकी विकास की अपनी दृष्टि थी, काम का अपना तरीका था, उन्होंने उड़ीसा के विकास को एक नई दिशा दी थी , विकास में अतुलनीय योगदान दिया था .केंद्र सरकार में मंत्री के नाते भी उन्होंने पर्यटन, नागरिक , उड्डयन और श्रम मंत्री के रूप में देश की जनता की सेवा की एक वरिष्ठ राजनेता और कुशल प्रशासक को हमने खोया है .

गुफराने आजम साहब अपने बीच के ही थे , वह भोपाल के थे, युवक कांग्रेस में सक्रिय थे . स्वर्गीय श्री संजय गांधी जी के बहुत निकटतम सहयोगी एक समय वह रहे थे. कांग्रेस के कई पदों पर रहे, उनके भी जो दिल में होता था वह जुबान पर होता था कभी उन्होंने कैरियर की चिंता नहीं की, वक्फ बोर्ड के चेयरमैन के नाते भी उन्होंने प्रदेश की सेवा की और बैतूल लोकसभा से वह सांसद रहे. उनके निधन से हमने एक वरिष्ठ राजनेता, मध्यप्रदेश के अक्खड़ नेता, जो अपनी बनाई राह पर चलते थे उनको खोया है और सबसे बड़ी बात यह है कि हॉकी के खिलाड़ी के रूप में उन्होंने प्रदेश के मान,सम्मान और प्रतिष्ठा को बढ़ाया और वह कर्मठ समाजसेवी थे . माननीय अध्यक्ष महोदय, श्री हरनाम सिंह जी राठौर को हम सब लोग जानते हैं कि भारतीय जनसंघ का काम जब बहुत कमजोर था विशेषकर पूरे बुंदलेखण्ड के क्षेत्र में तब हरनाम सिंह जी राठौर एक ऐसे नेता थे कि जिनके घर सारी बैठकें भारतीय जनसंघ की, यहां तक कि जनता पार्टी की सारी बैठकें उनके घर होती थीं और मैं यह कहूं कि उनके अलावा कोई बहुत ठोर नहीं थे हमारे भारतीय जनसंघ के काम को जमाने वाले बाद में वो बंडा से लगातार विधायक रहे । विधायक के नाते भी पूरी कर्मठा के साथ उन्होंने जनता की सेवा करने का काम किया । पी.एच.इ. मंत्री के नाते भी उन्होंने कुशल प्रशासक होने का परिचय दिया था । माननीय अध्यक्ष महोदय, उनके निधन से हमने एक लोकप्रिय नेता को, कुशल प्रशासक को और एक कर्मठ जनसेवी को खोया है । ललित भाई इंदौर से आते थे मुझे भी उनके संपर्क में रहने का अवसर मिला था । माननीय अध्यक्ष महोदय, युवक कांग्रेस के नेता के नाते उन्होंने अपने राजनैतिक जीवन को प्रारंभ किया था, वो दो बार इंदौर से विधानसभा के सदस्य रहे वो अच्छे मित्र थे और हरदिल अजीज थे । उपमंत्री के नाते भी उन्होंने बहुत कर्मठता के साथ प्रदेश की जनता की सेवा करने का काम किया । उनके निधन से भी हमने एक लोकप्रिय नेता और कर्मठ समाज सेवी को खोया है ।

माननीय अध्यक्ष महोदय,अकबर अली आरिफ साहब परतंत्र भारत में उस समय उनका जन्म हुआ था । रतलाम से उन्होंने अपने सार्वजनिक जीवन की शुरूआत पार्षद के नाते की थी और बाद में मध्यप्रदेश की हमारी पांचवी विधानसभा के वह सदस्य रहे थे, रतलाम से उन्होंने प्रतिनिधित्व किया था । उनके निधन से भी सार्वजनिक जीवन में अपूर्णीय क्षति हुई है । पंडित श्याम कार्तिक द्विवेदी समाजवादी चिन्तक थे और समाजवादी समाज की रचना के लिए जीवन भर प्रयत्नशील रहे, संघर्षशील रहे । 1952 में विन्ध्य प्रदेश की विधानसभा के सदस्य के नाते वो निर्वाचित हुए थे और उसके बाद फिर मध्यप्रदेश के पुनर्गठन के बाद लगातार इस विधानसभा के सदस्य रहे पहली दूसरी, तीसरी और पांचवी विधानसभा के सदस्य रहे । एक कर्मठ नेता थे और जीवन भर गरीबों के कल्याण के कामों में लगे रहे ।

माननीय अध्यक्ष महोदय,चार्ल्स कोरिया जी, शहरों के विकास के योजनाकार थे, उन्होंने भारत में शहरीकरण को एक नई दिशा देने का काम किया । आज हम जिस विधानसभा भवन में बैठे हैं । उस मध्यप्रदेश विधानसभा भवन की भी डिजाइन बनाने का काम उन्होंने किया था । वे इसके रचनाकार थे । भरत भवन के रूप में एक ऐसा संस्थान जिसके कारण कला और संस्कृति के क्षेत्र में देश भर में भोपाल का और मध्यप्रदेश का परिचय है । उन्होंने उसकी भी संरचना बनाने का काम, डिजाइन बनाने का काम किया था । वास्तुकला के क्षेत्र में एक नहीं अनकों , सम्मानों से नवाजा गया । आगा खान पुरूस्कार,रायल गोल्ड मेडल सहित,कई पुरूस्कारों से सम्मानित किया गया और पद्मश्री और पद्मविभूषण से भी सम्मानित, अलंकृत करने का काम भारत सरकार ने किया था । उनके निधन से एक शीर्ष वास्तुविद और शहरी योजनाकार को हमने खोया है ।

श्री मदन मोहन जोशी जी को हम सब जानते हैं । बचपन से जब मैं छात्र जीवन में छात्र राजनीति में था, तब कई बार अनेकों विषयों पर जब हमको किसी वक्ता की आवश्यकता होती थी । हम लोग स्वर्गीय मदन मोहन जोशी जी से प्रार्थना करते थे कि आइए फलाने विषय पर हमारे बीच में बोलिए । वो ख्याति नाम पत्रकार थे, कुशल चिन्तक थे,मौलिक विचारक थे, लेकिन जवाहरलाल नेहरू केंसर अस्पताल की स्थापना करके उन्होंने केंसर पीड़ितों की जो सेवा की है उसके लिए वो सदैव याद रखें जाएंगे उनके निधन से एक

वरिष्ठ पत्रकार के साथ साथ मानवीय संवदेनाओं से भरे हुए एक व्यक्ति,एक व्यक्तित्व को हमने खोया है । आदरणीय बुच साहब, जब वह शासकीय सेवा में थे तब मेरा परिचय उनसे नहीं था लेकिन भोपाल में उनकी ख्याति मैं बचपन से सुना करता था. वह जो ठीक समझते थे वही करते थे और भोपाल को बनाने में केवल उन्होंने भोपाल की प्लानिंग नहीं की, मास्टर प्लान तैयार नहीं किया बल्कि भोपाल के विकास में अगर जरा भी उनको लगता था कि कहीं गड़बड़ हो रही है तो प्रखरता के साथ अपनी आवाज उठाते थे. एक कुशल प्रशासक के नाते वह जहां भी रहे, उन्होंने अपनी छवि छोड़ी. कलेक्टर के नाते बैतूल में जो ख्याति उन्होंने अर्जित की, एक चुनाव भी निर्दलीय रहते हुए लड़े थे दूसरे नम्बर पर रह गये थे, एक प्रशासनिक अधिकारी जनता का इतना समर्थन प्राप्त कर ले, यह अकसर दिखाई नहीं देता लेकिन रिटायरमेंट के बाद लगातार प्रदेश की चिन्ता, भोपाल की चिन्ता, कई बार उनके पत्र आते थे, कई बार हम लोग उनसे मिलते थे, मिलने भी आते थे, बेबाक ढंग से अपनी बात कहते थे कि यह हो रहा है, यह ठीक नहीं हो रहा है इसको बदलना चाहिए और उनके सुझावों पर हम अमल करने की कोशिश करते थे. एक ऐसे प्रशासनिक अधिकारी कि जिन्होंने अपनी प्रशासनिक दक्षता की अनबूझ केवल भोपाल और मध्यप्रदेश में ही नहीं करायी थी, दिल्ली में भी करायी थी उनको हमने खोया है. उनको भी भारत सरकार ने पदम् विभूषण से अलंकृत करने का काम किया था.

माननीय अध्यक्ष महोदय, पिछले दिनों नेपाल में विनाशकारी भूकम्प आया था और भूकम्प ने नेपाल में तो कहर ढाया था लेकिन हमारे देश में भी उत्तरप्रदेश हो, बिहार हो, जो नेपाल से लगे हुए प्रदेश थे वहां तक विनाश देखने के मिला था. एक नहीं अनेकों लोगों ने नेपाल में तो हजारों भाई, बहनों और बच्चों ने अपनी जान गंवाई. हमारे देश के कई भाई बहन भी असमय काल-कवलित हुए. मध्यप्रदेश की जनता ने भी पीड़ित मानवता की पुकार सुनकर उदारता से अपने हाथ बढ़ाने का काम किया.

माननीय अध्यक्ष महोदय, पन्ना में भी 4 मई को पाण्डव फाल के पास एक यात्री बस की पुल से गिरने के कारण आग लगने से हमारे अनेकों भाई बहन काल-कवलित हुए. मैं अपनी ओर से प्रदेश की जनता की ओर से अपने श्रद्धा के सुमन इन सभी महान आत्माओं को समर्पित करता हूँ. परमपिता परमात्मा से यह प्रार्थना करता हूँ कि वह दिवंगत आत्माओं को

शांति दें और उनके परिजनों को और उनके अनुयायियों को, उनके स्नेहियों को यह गहन दु:ख सहन करने की क्षमता दें.धन्यवाद.

नेता प्रतिपक्ष(श्री सत्यदेव कटारे)-- आदरणीय अध्यक्ष महोदय, श्री दिलीप सिंह भूरिया जो मध्यप्रदेश के थे, आदिवासी नेता थे, लोकप्रिय थे, सब लोग जानते हैं. बड़े कर्मठ आदमी थे, बहुत छोटे घर से चले थे उनके जाने से मध्यप्रदेश की राजनीति को बहुत बड़ी क्षति हुई है. इसकी पूर्ति जल्दी होना संभव नहीं है.यद्यपि उनकी पुत्री राजनीति में है पर उम्मीद है कि वह क्षतिपूर्ति कर लें.

अध्यक्ष महोदय, श्री राजेश यादव बड़े पापुलर एमएलए थे. एक बार मैंने उनसे पूछा राजेश, आप चल नहीं पाते हो, आप जीत कैसे जाते हो और शहरों में क्या करते हो, जहां घर-घर घुसना पड़ता है उन्होंने बोला भाई साहब मैं तो हाथ ठेला पर बैठ जाता हूँ. पीछे से दो लोग हाथ ठेला चलाते जाते हैं मैं ऐसे हाथ जोड़ते जाता हूँ तो जिस व्यक्ति की इतनी लोकप्रियता हो कि ऐसे बैठ के हाथ जोड़ता जाए और लोग उसे वोट दें उसका अंदाज लगा सकते हैं कि उसकी क्षेत्र में क्रेडिट कैसी है और उसकी काबलियत कैसी है जो आम जनता में उनके दिल तक कैसे घुसा हुआ है. अध्यक्ष महोदय, श्री तुकोजीराव पवार पहली बार मेरे साथ ही एमएलए बनकर आए थे, यंग पर्सनालिटी थी, सुंदर छवि थी और उनका नाम युवराज तुकोजीराव पवार लिखा जाता था जैसा कि अभी मुख्यमंत्री जी ने बताया. वे बहुत लोकप्रिय नेता थे और राजपरिवार से होते हुए भी अपने क्षेत्र में कभी उनका व्यवहार ऐसा नहीं लगता था.

अध्यक्ष महोदय, श्रीमती शीला कौल जी देश की नेता थीं, बहुत बड़ी नेता थीं. वे कई पदों पर रहीं और इन्होंने कई अच्छे काम किए. वे बहुत सारे सामाजिक संगठनों से भी जुड़ी रहीं. इनके जाने से बहुत बड़ी क्षति हुई है.

अध्यक्ष महोदय, श्री जानकी वल्लभ पटनायक, इनसे हम एक-दो बार मिले भी हैं. ये मुख्यमंत्री भी रहे और ये बहुत लोकप्रिय नेता थे, इनके जाने से राजनीति की बहुत बड़ी क्षति हुई और कांग्रेस को भी बहुत बड़ी क्षति हुई.

अध्यक्ष महोदय, श्री गुफरान आजम, सब लोग जानते हैं कि उनकी जो पहचान थी वह यही थी कि जो दिल में है वह होंठ पर है. वे कोई चीज छुपाकर नहीं रखते थे. गुफरान भाई के जाने से जो नुकसान हुआ है, उस क्षति की जल्दी पूर्ति नहीं की जा सकेगी.

अध्यक्ष महोदय, श्री हरनाम सिंह जी राठौर बहुत सक्रिय और बहुत लोकप्रिय नेता थे. उनके जाने से जो नुकसान हुआ है उसकी क्षतिपूर्ति करना आसान नहीं होगा.

अध्यक्ष महोदय, श्री ललित जैन जी, पहली बार हमारे साथ ही चुनकर आए थे और अच्छा काम करते थे, कर्मठ नेता थे. एक बार इनको लोकसभा का भी टिकट दिया गया था लेकिन ये इंदौर में अपना काम करते थे और बहुत अच्छे से करते थे. इनके जाने से पार्टी को भी क्षति हुई है और मध्यप्रदेश की राजनीति को भी क्षति हुई है.

अध्यक्ष महोदय, श्री अकबर अली आरिफ, इनको मैं जानता तो नहीं हूँ, मिला नहीं हूँ, लेकिन कभी-कभी नाम सुनता रहा हूँ. इनके जाने से मध्यप्रदेश की राजनीति को बहुत नुकसान हुआ है.

अध्यक्ष महोदय, पंडित श्याम कार्तिक दुबे, ये निश्चित रूप से काम करते थे. अपने जमाने के लोकप्रिय नेता थे. इनके जाने से भी बहुत नुकसान हुआ. जो 52वीं असेंबली के एमएलए थे तो समझ सकते हैं कि उस समय की कैसी राजनीति थी और ये कैसे राजनीतिज्ञ रहे होंगे.

अध्यक्ष महोदय, श्री चार्ल्स कोरिया जी, जिन्होंने यह सदन डिजाइन किया तो जब तक सदन है उनका नाम हमेशा ही रहेगा. इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि वे विश्व स्तर के डिजाइनर थे. इनको भी हमारे दल की ओर से श्रद्धांजलि देते हैं.

अध्यक्ष महोदय, श्री मदन मोहन जोशी जी, इनको सब लोग जानते हैं. हम भी जानते हैं और पांच-दस बार मिले भी हैं बल्कि ज्यादा बार ही मिले होंगे. श्री जोशी जी पत्रकार भी थे और एक गंभीर व्यक्ति थे. उनमें कभी पत्रकारिता झलकती नहीं थी गंभीरता ही झलकती थी. उनकी गंभीरता से ऐसा लगता था कि वे पत्रकार कम और दार्शनिक ज्यादा हैं. उनकी जहन में कहीं न कहीं कैंसर का ध्यान रहा होगा तो उन्होंने जो इंस्टीट्यूट स्थापित किया है वह उनको हमेशा याद रखेगा. जो उनके जाने से क्षति हुई उसकी पूर्ति भी आसान नहीं है.

अध्यक्ष महोदय, श्री महेश नीलकंठ बुच साहब, इनके साथ तो लगभग एक महीने में एक बैठक मेरी हो जाती थी और उनसे हम कहते थे बुच साहब, हमारी बैटरी थोड़ी डाऊन हो रही है अब चार्ज होना है तो बैठकर हम लोग चाय पीते थे और सब तरह की बातें होती थीं कि क्या करना है और क्या नहीं करना है. पर उनकी एक पहचान हमेशा रहेगी कि आईएएस के अलावा वे समाज सेवा के लिए समर्पित थे और भोपाल के लिए उन्होंने कोई कसर नहीं छोड़ी. भोपाल में भी अरेरा कॉलोनी जो उन्होंने डिजाइन की, बनवाई और कई लोग ऐसे हैं जिनसे कह-कह कर जबरदस्ती प्लॉट दिलवाए कि आप लो. वे लोग आज वहां बैठे हैं और उनको याद करते हैं. उन्होंने समाज सेवा भी की और एनजीओ भी चलाते थे और भोपाल की डिजाइन की चिंता करते थे, भोपाल के पर्यावरण की चिंता करते थे, भोपाल के तालाब की चिंता करते थे और भोपाल के हर मास्टर प्लान की चिंता करते थे. ऐसे व्यक्ति के जाने से मध्यप्रदेश और भोपाल सबको बहुत नुकसान हुआ है.

अध्यक्ष महोदय, भूकंप में नेपाल और भारत में जो लोग हताहत हुए हैं उनको भी यह सदन श्रद्धांजलि देता है.

अध्यक्ष महोदय, पन्ना में जो बस त्रासदी हुई है उसमे भी मृत व्यक्तियों को सदन श्रद्धांजलि देता है. बड़ी दुखद दुर्घटना है. जिस तरीके से लोगों की मौत हुई उसकी कल्पना नहीं की जा सकती है.

अध्यक्ष महोदय, श्री अक्षय प्रताप सिंह, जो दिल्ली के पत्रकार थे, न्यूज कवर करने आए थे,उनका निधन हो गया है. उनको यूनेस्को ने श्रद्धांजलि दी. उनको भी हम श्रद्धांजलि देते हैं.

सुश्री नम्रता डामोर, उसको भी हम श्रद्धांजलि देते हैं...

संसदीय कार्य मंत्री (डॉ.नरोत्तम मिश्र)—माननीय अध्यक्ष महोदय, ..

श्री सत्यदेव कटारे- हम श्रद्धांजलि दे रहे हैं, श्रद्धांजलि के बीच में नहीं टोका जाता, हम बोल रहे हैं ..

डॉ.नरोत्तम मिश्र- माननीय अध्यक्ष महोदय, श्रद्धांजलि की एक मान्य परंपरा है. माननीय अध्यक्ष महोदय, जो विषय इसमें उल्लेखित होते हैं इसके अलावा अगर कोई बोलना चाहे तो आपकी अनुमति ली जाती है. अध्यक्ष महोदय, एक लंबे समय से इस तरह

की एक प्रेक्टिस हाऊस के अंदर हो रही है कि विषयान्तर करके जो मान्य परंपराएं इस हाऊस की हैं उनको खण्डित किया जाय. यह अच्छी प्रेक्टिस नहीं है. अगर किसी विषय पर चर्चा करना है ..

श्री सुन्दरलाल तिवारी—अध्यक्ष महोदय, लिखित रूप से आपसे मांगा गया है..

डॉ.नरोत्तम मिश्र- तिवारी जी, मुझे बोलने नहीं देंगे आप? मुझे बोलने दें, मैं अनुमति लेकर खड़ा हुआ हूं.

अध्यक्ष महोदय- बैठ जायें आप.

मैं, सदन की ओर से शोकाकुल परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट करता हूं. अब सदन दो मिनट मौन खड़े रहकर दिवंगतों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करेगा.

(सदन द्वारा दो मिनट मौन खड़े रहकर दिवंगतों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की गई.)

अध्यक्ष महोदय – दिवंगतों के सम्मान में विधानसभा की कार्यवाही मंगलवार, दिनाँक 21 जुलाई, 2015 के प्रात: 10.30 बजे तक के लिए स्थगित.

पूर्वाह्न 11.17 बजे विधान सभा की कार्यवाही मंगलवार, दिनाँक 21 जुलाई , 2015 (30 आषाढ़, शक संवत् 1937) के प्रात: 10.30 बजे तक के लिए स्थगित की गई.

भोपाल,
दिनांक : 20 जुलाई, 2015

भगवानदेव ईसरानी
प्रमुख सचिव,
मध्यप्रदेश विधानसभा